

Class - IV  
पाठ - पापा जीवरच्ये थे  
(PDF)

विद्यार्थी :-

शाहू

सुर्य

1. अजनकी

सुनिधान

2. पालतू

जिरै पाला जाता झू

3. फांजी

सोमा

4. हंसान

मानव, मानुष्य

5. हराफा

देशा, मनोभाव

प्रश्नोत्तरी :-

प्रश्न - पापा कुत्ता बनाकर चाचा करणे लागी दू

उत्तर - पापा कुत्ता बनाकर दाव - पेरो पर हृदय - हृदय मगाते दूर सुजनकीयां पर मांक हड्डे दै ।

प्रश्न - कुत्ता बनाकर पापा चाचा कर नदी पा रहे दै दू

उत्तर - कुत्ता बनाकर पापा अपने पेरो सौकान के पांढे खेजा नदी पा रहे दै ।

प्रश्न - फांजी अपासर ने पापा सौचाचा पुढा दू

उत्तर - फांजी अपासर ने पापा सौ पुढा के "येतुम चाचा कर रहे हो दू"

**प्रश्न-** फूजी अपकार्षि के किस समवाल से पापा सोचने में मज़बूर हो गए?

**उत्तर-** जब फूजी अपकार्षि ने कहा कि "मर्या तुम्हें जानते मी हो कि हँसान किसे कहते हैं?" तब पापा सोचने में मज़बूर हो गए।

**प्रश्न** पापा कुत्ता विंगों बनना चाहते थे?

**उत्तर** पापा कुत्ता हँसालिए बनना चाहते थे अचाक के लकड़ियाँ लक हँसान बनाकर ऐसे चुके थे यानी हँसान बनाकर उन्हें पाए थे।

**प्रश्न** पापा ने मर्या सोचकर अपना हराहा बार-बार न बढ़ाने को खँसाला किया?

**उत्तर** पापा ने सोचा कि अक्षय कड़ी बात होती है सुरक्षा हँसान बनना। तभी ऐसे पापा ने अपना हराहा बार-बार न बढ़ाने को खँसाला किया।